सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

झरनों से इतना मधुर
संगीत कभी न सुनाई देता.
अगर राहों में उनके
पत्थर न होते..!

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	33°	25°
शनिवार	31°	24°
रविवार	35°	26°
सोमवार	35°	25°
मंगलवार	30°	26°
बुधवार	31°	25°
वीरवार	31°	25°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 12 SEPTEMBER TO 18 SEPTEMBER 2025 • VOLUME 08 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

भारत-मॉरीशस के बीच 7 करार

लगभग 680 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा

नई दिल्ली. भारत ने प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम की भारत यात्रा के दौरान स्वास्थ्य, बुनियादी ढाँचे और समुद्री सुरक्षा क्षेत्रों में मॉरीशस के लिए लगभग 680 मिलियन अमेरिकी डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की। इस पैकेज में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई कई परियोजनाएँ शामिल हैं। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम की भारत यात्रा पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री द्वारा विशेष ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस यात्रा का एक प्रमुख परिणाम मॉरीशस को एक विशेष आर्थिक पैकेज देने का हमारा निर्णय है। उन्होंने कहा कि इसमें पोर्ट लुईस बंदरगाह का विकास, चागोस समुद्री संरक्षित क्षेत्र की निगरानी के लिए विकास और सहायता, अनुदान के रूप में मिश्रित वित्तीय सहायता और प्रमुख परियोजनाओं के लिए ऋण सहायता सहित कई तत्व शामिल हैं।

यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम के बीच विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई सार्थक चर्चा के बाद की गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार मॉरीशस सरकार द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों के आधार पर निम्नलिखित परियोजनाओं पर सैद्धांतिक रूप से सहमति बनी है जिन्हें भारत और मॉरीशस द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित किया जाएगा। विशेष आर्थिक पैकेज के तहत, दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर सहमति व्यक्त की है। इनमें नए सर शिवसागर रामगुलाम राष्ट्रीय अस्पताल का निर्माण,

एक आयुष उत्कृष्टता केंद्र, एक पशु चिकित्सा विद्यालय और पशु अस्पताल की स्थापना और मॉरीशस के लिए हेलीकॉप्टरों का प्रावधान शामिल है। इन परियोजनाओं और सहायता की कुल अनुमानित लागत लगभग 215 मिलियन अमेरिकी डॉलर है।

रणनीतिक मोर्चे पर, भारत और मॉरीशस मॉरीशस बंदरगाह के पुनर्विकास और पुनर्गठन पर सहयोग करने पर भी सहमत हुए हैं। इसके अलावा, दोनों देश पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना, चागोस समुद्री संरक्षित क्षेत्र के विकास और निगरानी पर भी सहयोग करेंगे। इसके अलावा, भारत सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए चल रही पहलों और द्विपक्षीय परियोजनाओं को समर्थन देने हेतु 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर की बजटीय सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है।

आपदाग्रस्त उत्तराखंड पहुंचे पीएम मोदी, 1200 करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान

प्रधानमंत्री मोदी ने 11 सितंबर 2025 को देहरादून का दौरा किया और उत्तराखंड के प्रभावित क्षेत्रों में बादल फटने, बारिश और भूस्खलन से हुई बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा की। पीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के बाढ़ और बारिश प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण अनाथ हुए बच्चों के लिए पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत व्यापक सहायता की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड में बाढ़ की स्थिति पर एक प्रस्तुति देखते हुए। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उनके साथ रहे। केदारनाथ त्रासदी के बाद से, इस वर्ष राज्य में सबसे अधिक आपदाएँ आई हैं, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कई गाँव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जहाँ न केवल लोगों की जान गई है, बल्कि पशुधन भी हताहत हुए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मॉरीशस के अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ अपनी बैठकें समाप्त करने के बाद देहरादून पहुँचे। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की और कई दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। बुधवार को मुख्यमंत्री धामी ने अंतर-मंत्रालयी दल से मुलाकात की, जिसने उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल, चमोली, बागेश्वर और नैनीताल जिलों में हुए नुकसान का आकलन किया।

फाजिल्का से पाकिस्तान से प्राप्त 27 हथियार बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/फिरोजपुर

काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) फिरोजपुर ने स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) फाजिल्का के साथ संयुक्त ऑपरेशन में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक सीमा पार से चल रहे संगठित हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है, जिसमें 27 आधुनिक .30 बोर पिस्टलें और 470 जिंदा कारतूसों सहित दो हथियार सप्लायर्स को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस डायरेक्टर जनरल (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मंगल सिंह उर्फ मंगली, निवासी तेजा रहेला, फाजिल्का, और गुरमीत सिंह, निवासी ग्राम मुहार जमशेर, फाजिल्का के रूप में हुई है। एआईजी सीआई फिरोजपुर

गुरसेवक सिंह ब्रार ने कहा कि विश्वसनीय जानकारी पर कार्रवाई करते हुए सीआई फिरोजपुर और एसएसओसी फाजिल्का की पुलिस टीमों ने संयुक्त रूप से फाजिल्का क्षेत्र में एक गुप्त ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन के दौरान फाजिल्का में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय वार्ड के नजदीक ग्राम मुहार जमशेर से दो संदिग्ध व्यक्तियों को .30 बोर के 27 गैरकानूनी हथियारों के एक बड़े जखीरे और 470 जिंदा कारतूसों के साथ काबू किया गया।

6 हथियार और 5.75 लाख की हवाला राशि सहित 6 काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/अमृतसर

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने छह सदस्यों को 6 आधुनिक हथियार और 5.75 लाख रुपये की हवाला राशि सहित गिरफ्तार कर सीमा पार से संचालित हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान प्रगट सिंह निवासी ग्राम वान तारा सिंह, तरनतारन; अजयबीर सिंह उर्फ अजय निवासी गली पंजाब सिंह, अमृतसर; करनबीर सिंह उर्फ करन निवासी पाल एवेन्यू, अमृतसर; श्री राम निवासी पाल एवेन्यू, अमृतसर; महिकप्रीत सिंह उर्फ रोहित अफसर कॉलोनी, अमृतसर और दिनेश कुमार निवासी आदमपुर, जालंधर के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में एक 9 मिमी ग्लॉक, तीन .30 बोर

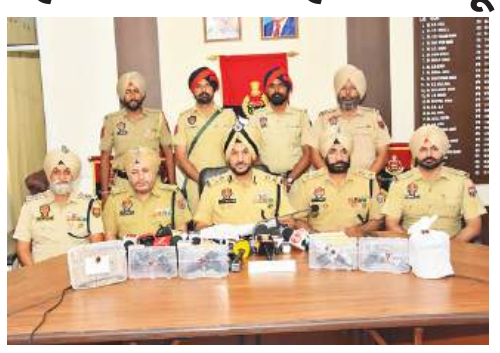

पीएक्स-5 पिस्टल, एक .32 बोर और .30 बोर पिस्टल शामिल हैं।

पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि जांच के दौरान मॉड्यूल के अन्य सदस्य अजयबीर, करनबीर और श्री राम को एक पिस्टल सहित गिरफ्तार किया गया।

बाढ़ पीड़ितों के लिए मुख्यमंत्री शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक की करेंगे अध्यक्षता

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). अस्पताल से छुट्टी मिलने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बाढ़ के मद्देनजर राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से शुक्रवार को अपनी निवास स्थान पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने और राहत, बचाव तथा पुनर्वास प्रयासों में तेजी लाने संबंधी बैठक करेंगे। बैठक में बाढ़

प्रभावित क्षेत्रों के डिप्टी कमिश्नर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होंगे, जबकि सचिव और मुख्य सचिव मुख्यमंत्री की निवास पर व्यक्तिगत रूप से बैठक में शामिल होंगे। बैठक में चिकित्सीय सुविधाएं, मुआवजा और बाढ़ की वर्तमान स्थिति से निपटने आदि पर ठोस उपायों पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि प्रदेश सरकार बाढ़ प्रभावित आबादी के बचाव, राहत और पुनर्वास के लिए बड़े स्तर पर कार्य कर रही है। भगवंत मान ने जोर देकर कहा कि नाजुक परिस्थितियों के दौरान राहत प्रदान करने हेतु कई कदम पहले उठाए जा चुके हैं।

एशिया कप 2025 में भारत-पाक मैच पर आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 का आगाज हो चुका है और भारत ने अपना पहला मैच यूएई के खिलाफ जीत लिया है। वहीं अब भारतीय टीम का महामुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 14 सितंबर को होगा। लेकिन इस मुकाबले को लेकर लगातार फैंस बीसीसीआई की आलोचना कर रहे हैं और साथ ही इसे रद्द करने की भी मांग उठा रहे हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस जनहित याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार किया है जिसमें भारत-पाकिस्तान मैच को रद्द करने की मांग की गई थी। बता दें कि मामला जब जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ के समक्ष पहुंचा तो अदालत ने इसे गंभीरता से लेने से इनकार कर दिया। जस्टिस माहेश्वरी ने साफ कहा कि, इतनी भी क्या जल्दबाजी है? ये तो एक मैच है होने दीजिए। जब वकील ने दलील दी कि रविवार को मैच है और अगर शुक्रवार को भी सुनवाई नहीं हुई तो याचिका निरर्थक हो जाएगी तो जस्टिस माहेश्वरी ने दो टूक जवाब दिया कि मैच इस रविवार है? हम इसमें क्या कर सकते हैं रहने दीजिए मैच होना चाहिए।

सीआरपीएफ ने जेड प्लस सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर खरगे को लिखा पत्र

नई दिल्ली. केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के दौरान बार-बार सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़े जाने पर गंभीर चिंता जताई है। हम आपको बता दें कि ज़ेड+ श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त राहुल गांधी को एडवांस सिक्योरिटी लायज़न (एएसएल) टीम के साथ हर यात्रा और कार्यक्रम की पूर्व सूचना देनी होती है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार कई मौकों पर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने इस नियम का पालन नहीं किया। सीआरपीएफ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में कहा है कि यह लापरवाही राहुल गांधी को गंभीर जोखिम में डाल सकती है। साथ ही एक अलग पत्र राहुल गांधी को भी भेजा गया है, जिसमें

उनसे भविष्य में सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया गया है। हम आपको बता दें कि पत्र में इटली, वियतनाम, दुबई, कतर, लंदन और मलेशिया जैसी यात्राओं का उल्लेख किया गया है। "येलो बुक" प्रोटोकॉल के अनुसार, उच्च सुरक्षा प्राप्त वीवीआईपी को विदेश यात्रा की पूर्व सूचना सुरक्षा तंत्र को देनी अनिवार्य है।

अपनी शक्ति का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं एलजी : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक की जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तारी की निंदा की और आरोप लगाया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा अपनी शक्तियों का इस्तेमाल गलत उद्देश्यों के लिए कर रहे हैं और संविधान की सीमाओं से परे जा रहे हैं। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि अगर संविधान का उचित "संचालन" नहीं किया गया और उसकी सीमाओं का उल्लंघन किया गया तो भारत में भी ऐसी ही स्थिति हो सकती है।

जेकेएनसी प्रमुख ने यहाँ एक न्यूज एजेंसी से कहा कि नेपाल में हालात कैसे बिगड़ गए? आज स्थिति ऐसी है कि उनका संविधान खत्म हो गया है और वहां कोई सरकार नहीं है। बांग्लादेश की हालत देखिए। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि हमारे देश में ऐसी आग भड़कने से पहले, संविधान का ध्यान रखें और उसकी सीमाओं से आगे न बढ़ें। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल को नेपाल में जो हो रहा है उससे डरना चाहिए।

शाह ने लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, त्रिची, कोझिकोड और अमृतसर हवाईअड्डे पर फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम का किया उद्घाटन

बोले- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वप्न – स्पीड, स्केल और स्कोप को एफटीआई-टीटीपी में समाहित कर यात्रियों की सुविधा को बढ़ाने के प्रयास का अगला चरण आज से शुरू हो रहा है

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, त्रिची, कोझिकोड और अमृतसर हवाईअड्डे पर फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन – ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम (एफटीआई-टीटीपी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव और आसूचना ब्यूरो के निदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस सुविधा से न सिर्फ प्रवासियों

की सुविधा बढ़ेगी बल्कि हमें देश में होने वाले परिवर्तनों से उनका परिचय कराने का भी मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वप्न – स्पीड, स्केल और स्कोप – को इस प्रोग्राम में समाहित कर प्रवासियों की सुविधा को बढ़ाने के प्रयास का अगला चरण आज से शुरू हो रहा है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि तकनीकी टूल्स के साथ-साथ हमें एक ट्रस्ट मल्टीप्लायर का काम भी करना चाहिए और आज का कार्यक्रम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अमित शाह ने कहा कि फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन – ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम (एफटीआई-टीटीपी) के साथ आज से हवाईअड्डों पर सीमलैस इमीग्रेशन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सिर्फ सुविधा देने से हमारा उद्देश्य पूरा नहीं होगा बल्कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि अधिक से अधिक यात्रियों को इसका फायदा मिले। इसके लिए पासपोर्ट और ओसीआई कार्ड जारी करते समय ही हमें रजिस्ट्रेशन करने की संभावना पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि अगर हम ऐसा कर सकते हैं तो यात्रियों को दोबारा फिंगरप्रिंट और दस्तावेज़ों के लिए आने की ज़रूरत नहीं रहेगी और वे जब भी यात्रा करना चाहें तो पासपोर्ट का उपयोग कर जा सकेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि इस बारे में सभी तकनीकी संभावनाओं को तलाश कर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिकतम लोगों को इसका फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय नागरिकों के साथ-साथ ओसीआई कार्डधारकों को भी फायदा होगा।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि एफटीआई-टीटीपी सुविधा और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने वाला कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि 2024 में दिल्ली से इस प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ और उसके बाद मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, कोचीन और अहमदाबाद हवाईअड्डे इसमें शामिल हुए और आज 5 नए हवाई अड्डे इसमें जुड़ रहे हैं। शाह ने कहा कि इस प्रकार कुल 13 हवाईअड्डों पर एकसाथ यह प्रक्रिया सुविधा शुरू हो रही है। अब यात्रियों को लंबी लाइन, मैनुअल चेकिंग और बिना देरी के मात्र 30 सेकंड्स में इमीग्रेशन क्लीयरेंस मिल जाता है। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 3 लाख यात्रियों ने इस पोर्टल पर पंजीकरण किया है, जिनमें से 2 लाख 65 हज़ार यात्रियों ने यात्रा के समय इसका उपयोग किया है और हमें इस संख्या में निरंतर बढ़ोत्तरी के प्रयास करने चाहिए। शाह ने कहा कि हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि सभी भारतीय नागरिक और ओसीआई कार्डहोल्डर इस सुविधा का फायदा उठाएं। एफटीआई-टीटीपी को एक ऑनलाइन पोर्टल https://ftittp.mha.gov.in के माध्यम से लागू किया गया है। इस कार्यक्रम में नामांकन के लिए आवेदक को अपने विवरण भरकर और आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड कर पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करना होता है। पंजीकृत आवेदकों का बायोमेट्रिक विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (FRRO) या हवाई अड्डे से गुजरते समय लिया जाता है।

दिल्ली में आईएसआई का 'गजवा-ए-हिंद' मॉड्यूल ध्वस्त

नई दिल्ली. पटियाला हाउस कोर्ट ने गुरुवार को आईएसआईएस आतंकी मॉड्यूल मामले में अशहर दानिश और कामरान कुरैशी को 12 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इससे पहले, अशहर दानिश, सूफियान अबुबकर खान, आफताब अंसारी, हुजैफा यमन और कामरान कुरैशी समेत पांच आतंकियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक आतंकी मॉड्यूल से पाकिस्तानी संबंधों का खुलासा किया है और गुरुवार को कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, स्पेशल सेल के एडिशनल सीपी प्रमोद सिंह कुशवाहा ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि ग्यारह लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें से पांच को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गिरफ्तार किए गए लोगों में एक झारखंड का, दो दिल्ली के हैं, जो मूल रूप से मुंबई के रहने वाले हैं, एक तेलंगाना का और एक मध्य प्रदेश के राजगढ़ का रहने वाला है। गुरुवार को दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुशवाहा ने कहा, "उनके पास से सल्फर पाउडर, सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड, सोडियम बाइकार्बोनेट, पीएच वेइंग चेकर, बॉल बेयरिंग और आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, तार, मदरबोर्ड, लैपटॉप और मोबाइल फोन, साथ ही हथियार और कारतूस मिले हैं।"

कुशवाहा के अनुसार, उन्हें जिस पाकिस्तानी हैंडलर को काम सौंपा गया था, वह खिलाफत मॉडल अपनाना चाहता था। उनकी योजना दोहरी थी। सबसे पहले, उन्हें खिलाफत शैली का एक समूह बनाना था।

बिहार में बना है एकमात्र मंदिर, जहां अपना खुद का ही श्राद्ध कर सकते हैं लोग

Rituals

बिहार के गया में हर साल लाखों लोग पितृ ऋण से मुक्त होने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर फल्गु नदी के साथ ही विभिन्न वेदियों पर पिंड दान करते हैं। लेकिन इसी गया में एक मंदिर ऐसा है जहां पर लोग जीते जी अपना खुद का पिंड दान और...

• जालंधर ब्रीज. फीचर

भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर आश्विन महीने की अमावस्या तक पितृ पक्ष होता है। इन दिनों लोग अपने परिवार में मरे पूर्वजों, पिता-माता, दादा-दादी आदि मृतकों की आत्मा की शांति के लिए पूजा-पाठ करते हैं। इन पूर्वजों को ही पितृ बोला जाता है। पितृ के लिए दान-पुण्य करना फलदायी होता है और मान्यता है कि इससे पूर्वज प्रसन्न होते हैं और अपना आशीर्वाद देते हैं। अब एक बाद तो समझ आ गई होगी कि पिंड दान हमेशा मरने के बाद अगली पीढ़ी का वंशज देता है। गया में पिंडदान देने और पितृों की आत्मा की शांति के लिए दान-पुण्य करने दूर-दूर से लोग आते हैं। लेकिन क्या आपने कोई ऐसी जगह सुनी है जहां लोग खुद का ही पिंडदान करें।

गया में बना है आत्म पिंडदान का मंदिर

गया में पितरों का श्राद्ध,तर्पण और पिंड दान करने के बाद कुछ भी बचता नही है। मान्यता है कि यहां पर श्राद्ध करने के बाद पितृ ऋण से मुक्ति मिल जाती है। गया मे फल्गु नदी के तट पर भगवान राम ने अपने भाईयों समेत राजा दशरथ का पिंड दान कर उनकी आत्मा को शांति और मोक्ष दिलवाया था। इसी मान्यता के आधार पर गया में लोग पिंड दान के लिए आते हैं। लेकिन इसी गया में एक मंदिर है जनार्दन वेदी मंदिर, जहां पर लोग खुद का श्राद्ध करते हैं।

यहां किया जाता है खुद का पिंड दान

कहा गया है कि गया में 54 पिंड वेदी और 53 ऐसी जगह हैं जहां पर पितरों का पिंड दान किया जाता है। लेकिन जनार्दन मंदिर वेदी एकमात्र ऐसी वेदी हैं जहां पर आत्मश्राद्ध किया जाता है। यहां लोग जीते जी खुद का पिंड दान करते हैं। गया में भस्मकूट पर्वत पर माता मंगला गौरी मंदिर में उत्तर में ये वेदी स्थित है। जहां पर स्वयं भगवान विष्णु जनार्दन स्वामी के रुप में पिंड ग्रहण करते हैं।

कौन लोग करते हैं अपना श्राद्ध

ऐसे लोग जिनका परिवार में कोई नहीं बचता या जिनके श्राद्ध करने के लिए कोई संतान नहीं होती। वो इस जगह पर जीते जी अपना पिंड दान कर देते हैं। वहीं गृहस्थ जीवन त्याग चुके वैरागी हो रहे लोग भी अपना पिंड दान करने इस जगह पर आते हैं।

PARENTING

बच्चा आपकी कोई बात नहीं सुनता? एक्सपर्ट बोलीं आज ही शुरू कर दें ये 4 काम

पेरेंटिंग में बच्चों की जिद्द और ना सुनने की आदत सबसे बड़ी चुनौती होती है। डांटने से हालात बिगड़ते हैं और प्यार से भी हमेशा असर नहीं होता। ऐसे में बच्चे तक पहुँचने के लिए सही तरीका अपनाना जरूरी है।

• जालंधर ब्रीज . फीचर

पेरेंटिंग एक उतार-चढ़ाव भरा सफर है। कभी बच्चों की मासूम मुस्कान दिल जीत लेती है तो कभी उनकी जिद्द और ना सुनने की आदत से पेरेंट्स परेशान हो जाते हैं। कई बार तो हालात ऐसे हो जाते हैं कि समझ में ही नहीं आता कि आखिर बच्चे को कैसे समझाया जाए। डांटने से बच्चा और जिद्दी हो जाता है और प्यार से भी बात बनती नजर नहीं आती। ऐसे में क्या किया जाए? पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा कहती हैं कि जब बच्चा आपकी बात सुनने से इनकार करता है, तो इसका मतलब ये नहीं कि वो गलत है, बल्कि इस वक्त जरूरत है उसके दिल और दिमाग तक पहुँचने के सही तरीके की। तो चलिए जानते हैं ऐसी स्थिति से निपटने के लिए एक्सपर्ट क्या सलाह दे रही हैं।

पहले खुद सुनने की आदत डालें

पेरेंट्स अक्सर चाहते हैं कि बच्चा तुरंत उनकी बात माने, लेकिन वे खुद बच्चे की बात को सुनने में कमी कर देते हैं। कोच पुष्पा कहती हैं कि ऐसी सिचुएशन में बच्चों को लगता है कि उनके इमोशन की कोई कद्र नहीं है, सिर्फ उनसे ही हर चीज की उम्मीद की जाती है। ऐसे में जब आप खुद समय निकालकर बच्चे की बातें ध्यान से सुनते हैं, तो बच्चा भी धीरे-धीरे आपकी बातों को महत्व देने लगता है। यह कदम सबसे जरूरी है क्योंकि रिश्ते में अच्छी बॉन्डिंग की शुरुआत सुनने से ही होती है।

सही वक्त का इंतजार करें

हर बात तुरंत कहना जरूरी नहीं होता। कई बार बच्चा थका हुआ, परेशान या चिड़चिड़े मूड में होता है। उस समय दी गई सीख या सलाह बेअसर हो जाती है। पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा बताती हैं कि माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चे से तब बात करें जब उसका मन शांत हो। सही वक्त पर कही गई बातें बच्चे के दिल तक जाती हैं और असर भी गहराई से करती हैं।

सिखाने से ज्यादा सीखने का एटीट्यूड रखें

जब माता-पिता हर समय सिर्फ समझाने और सिखाने में लगे रहते हैं, तो बच्चा धीरे-धीरे रिएक्टिव हो जाता है। उल्टा जवाब देना या बात टालना इसी का नतीजा है। लेकिन अगर आप खुद सीखने वाले अंदाज में बच्चे से जुड़ेंगे, तो वह भी सहज महसूस करेगा। पुष्पा शर्मा मानती हैं कि जब बच्चा समझता है कि उसे सुना और समझा जा रहा है, तब वह माता-पिता की सलाह को आसानी से अपनाता है।

उदाहरण से समझाना ज्यादा असरदार होता है

कभी-कभी डायरेक्ट सलाह बच्चों को भारी लगती है। ऐसे में किसी और बच्चे से जुड़ी छोटी-सी कहानी या कोई रियल लाइफ से जुड़ा उदाहरण देना, ज्यादा असरदार साबित होता है। पेरेंटिंग कोच कहती हैं कि कहानियों और रियल इंसिडेंट से जुड़े उदाहरण का असर बच्चों पर लंबे समय तक रहता है क्योंकि वे उनमें खुद को आसानी से जोड़ पाते हैं।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

आलू-प्याज के पकौड़े हटके रेसिपी ट्राई करें, सब करेंगे कुकिंग स्किल की तारीफ

आलू और प्याज के पकौड़े तो कई बार बनाए और खाए होंगे। लेकन इस बार ट्राई करें ये न्यू स्टाइल से बने चटपटे और मसालेदार क्रंची आलू-प्याज के पकौड़े। जो खाने में टेस्टी हैं और टी टाइम स्नैक्स के लिए बिल्कुल परफेक्ट भी हैं।

• जालंधर ब्रीज. रेसिपी

आलू और प्याज के पकौड़े तो हर घर में बनते होंगे। इसमे नया तो कुछ भी नहीं होता लेकिन अगर आप एक जैसे पकौड़े खाकर और खिलाकर बोर हो चुकी हैं। तो इस रेसिपी को ट्राई कर सकती हैं। शाम की चाय के साथ अक्सर कुछ चटपटा और क्रिस्पी खाने का दिल करता है। या कई बार मेहमान को कुछ घर में बना खिलाना पड़ जाए तो इस तरह से हटके स्टाइल के प्याज-आलू के पकौड़ों को ट्राई कर सकते हैं।

आलू-प्याज के पकौड़े- सामग्री

- दो से तीन प्याज
- दो से तीन आलू
- हरी मिर्च
- करी पत्ता
- हल्दी पाउडर आधा चम्मच
- धनिया पाउडर
- अमचूर पाउडर
- लाल मिर्च पाउडर
- हरी धनिया के पत्ते
- दो चम्मच चावल के आटे
- एक चम्मच कॉर्नफ्लोर
- नमक स्वादानुसार
- दो उबले आलू
- लहसुन

बनाने की विधि

- सबसे पहले दो से तीन आलू को उबालकर रख लें। जिससे कि ये ठंडे हो जाए।
- अब प्याज को बारीक लच्छों में काट लें। और ऊपर से चावल का आटा मिला दें। जिससे कि आटा पानी को सोख लें।
- साथ ही इसमे धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर मिलाएं।
- बारीक कटी हरी धनिया, करी पत्ता मिक्स करें।
- एक चम्मच कॉर्नफ्लोर भी डाल दें। नमक मिलाकर हाथों से मिक्स करें।
- उबले आलू को मैश कर उसमे थोड़ा सा नमक मिलाएं। साथ ही लहसुन और लाल मिर्च को पीसकर एक चम्मच मिक्स करें।
- आलू के मिक्सचर को मैश कर गोले बना लें।
- कॉर्नफ्लोर का पतला घोल तैयार करें और उसमे आलू के घोल को डुबोएं।
- फिर प्याज के लच्छों पर आलू के बॉल्स को डालें। जिससे कि कॉर्नफ्लोर की मदद से प्याज के लच्छे आलू बॉल्स पर चिपक जाएं। फिर हाथों की मदद से अच्छी तरह से दबा-दाबकर गोले तैयार करें। जिसमे प्याज के लच्छे लगे हों।
- बस तेल गर्म कर इन बॉल्स को तलें और गर्मागर्म परोसें।

रोने के बाद ठंडे पानी से क्यों धोया जाता है मुंह? मेंटल हेल्थ से है सीधा कनेक्शन

जालंधर ब्रीज (फीचर) . लाइफ में कई बार कुछ ऐसी परिस्थितियां या उतार-चढ़ाव आ जाते हैं कि व्यक्ति अपने इमोशन्स पर कंट्रोल नहीं कर पाता और फूट-फूटकर रोने लगता है। ऐसा ज्यादातर कभी ना कभी सभी लोगों के साथ हुआ होता है। रोने के पीछे वजह भले ही अलग हो, लेकिन एक चीज रोने के बाद जरूर कॉमन होती है, और वो है रोने के बाद चेहरा ठंडे पानी से धोना। जी हां, अकसर आपने लोगों को या खुद भी रोने के बाद चेहरा ठंडे पानी से धोते हुए देखा होगा। लेकिन क्या आप इसके पीछे की असल वजह जानते हैं? अगर आपको भी लगता है कि ऐसा सिर्फ आंखों की सूजन या चेहरे की सफाई के लिए ही किया जाता है तो आपको बता दें, ऐसा बिल्कुल नहीं है। रोने के बाद ठंडे पानी से चेहरा धोना मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखने का एक आसान नेचुरल और असरदार तरीका है।

नर्वस सिस्टम होता है शांत

व्यक्ति जब रोता है तो उसका शरीर कोर्टिसोल नाम का एक तनाव से जुड़ा हार्मोन रिलीज करता है। जो थकान पैदा करके मन को भारी बनाने का काम करता है। लेकिन जब चेहरा ठंडे पानी से धोया जाता है तो तनाव हार्मोंस का लेवल कम होने से बॉडी रिफ्रेश और नर्वस सिस्टम शांत महसूस करता है। जिसकी वजह से बॉडी को अच्छा महसूस कराने वाले हैप्पी हार्मोन भी रिलीज होने लगते हैं।

हैप्पी हार्मोन दर्द करता है कम

रोने के बाद चेहरा ठंडे पानी से धोने से शारीरिक और भावनात्मक दर्द को कम करने में मदद मिलती है। ठंडा पानी मस्तिष्क में इलेक्ट्रिक इम्पल्स (विद्युत आवेग एक तरह का विद्युत संकेत है जो तंत्रिका कोशिकाओं (न्यूरॉन्स) के माध्यम से पूरे शरीर में जानकारी संचारित करता है) भेजता है, जिससे एंडोर्फिन जैसे फील गुड हार्मोन का स्राव होता है, जो मूड को बेहतर बनाकर तनाव कम करने में मदद करते हैं।

स्ट्रेस फ्री रखता है ठंडा पानी

ठंडे पानी से मुंह धोने पर शरीर का तापमान नीचे चला जाता है। जिससे दिमाग को हल्के झटके जैसा महसूस होता है और व्यक्ति स्वयं को स्ट्रेस फ्री और रिफ्रेश पाता है।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

इन रोगों से पीड़ित लोगों को नहीं खाना चाहिए सेब, ये होते हैं साइड इफेक्ट

Health

कुछ लोगों को सेब का सेवन फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने लगता है। ऐसे में सेहतमंद बने रहने के लिए यह जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर किन लोगों को खासतौर पर सेब का सेवन करने से बचना चाहिए।

• जालंधर ब्रीज. हेल्थ केयर

हम और आप बचपन से एक कहावत सुनकर बड़े हुए हैं, 'एन एप्पल इन ए डे कीप द डॉक्टर अवे'...लेकिन क्या आप जानते हैं यह कहावत हर किसी के लिए सही नहीं होती है। सेब में मौजूद विटामिन, फाइबर, आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, कॉपर और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व व्यक्ति के शरीर का कई रोगों से बचाव करते हैं। बावजूद इसके हर व्यक्ति के लिए इसका सेवन सुरक्षित नहीं होता है। जी हां, कुछ लोगों को सेब का सेवन फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने लगता है। ऐसे में सेहतमंद बने रहने के लिए यह जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर किन लोगों को खासतौर पर सेब का सेवन करने से बचना चाहिए।

इन लोगों को भूलकर भी नहीं खाना चाहिए सेब

डायबिटीज रोगी - डायबिटीज रोगियों को खासतौर पर अपनी डाइट का ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। कई ऐसे फल हैं, जिनका सेवन ब्लड शुगर रोगियों को नहीं करना चाहिए। इन्हीं फलों में सेब का नाम भी शामिल है। सेब में प्राकृतिक शुगर (फ्रक्टोज) पाई जाती है। अगर डायबिटीज रोगी अधिक मात्रा में सेब का सेवन करते हैं तो उनका ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। ऐसे में शुगर रोगी अपने डॉक्टर की सलाह के बाद ही सेब का सेवन करें।

एलर्जी - कुछ लोगों को खासतौर पर ओरल एलर्जी सिंड्रोम वाले लोगों को सेब खाने से एलर्जी की समस्या हो सकती है। ऐसे लोग अगर ज्यादा मात्रा में सेब का सेवन कर लें तो उनके मुंह, गले और त्वचा में खुजली या सूजन, सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं हो सकती है। सेब थोड़े से अम्लीय होते हैं ऐसे में ज्यादा सेब खाने से एसिड रिफ्लेक्ट या पेट भी अपसेट हो सकता है।

कमजोर पाचन - जिन लोगों को पहले से ही पेट और पाचन से जुड़ी समस्याएं रहती हैं, उनके लिए भी सेब का अधिक सेवन नुकसान कर सकता है। दरअसल, सेब में मौजूद फाइबर पेट के लिए अच्छा होता है, लेकिन गैस, एसिडिटी या इर्रिटेबल बॉवेल सिंड्रोम (IBS) वाले लोगों के लिए यह परेशानी बढ़ा सकता है।

दांत और मसूड़ों की समस्या - सेब में मौजूद प्राकृतिक एसिड दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है। बार-बार सेब खाने से दांतों में सेंसिटिविटी और मसूड़ों की समस्या बढ़ सकती है। अगर आपको पहले से ही दांतों से जुड़ी कोई बीमारी है तो सेब का सेवन करने से बचें।

दस्त की परेशानी - दस्त या डायरिया की समस्या से पीड़ित लोगों को सब का सेवन नहीं करना चाहिए। सेब में फाइबर की प्रचुर मात्रा मौजूद होती है, जो मल त्याग को आसान बनाती है। इसका अधिक सेवन दस्त की समस्या और अधिक बढ़ सकता है।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

पीएम ने हिमाचल में बाढ़ और वर्षा प्रभावित क्षेत्रों को 1500 करोड़ वित्तीय सहायता की घोषणा की

• **जालंधर ब्रीज .** हिमाचल प्रदेश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के प्रभावित क्षेत्रों में बादल फटने, बारिश और भूस्खलन के कारण बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा के लिए 9 सितंबर 2025 को हिमाचल प्रदेश का दौरा किया।

प्रधानमंत्री ने सबसे पहले हिमाचल प्रदेश के चंबा, भरमौर, कांगड़ा और अन्य प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद, प्रधानमंत्री नरेनद्र मोदी ने कांगड़ा में एक आधिकारिक बैठक की जिसमें राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में हुए नुकसान का आकलन भी किया गया। प्रधानमंत्री नरेनद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृति, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान और पशुधन के लिए मिनी किट भी जारी किए जाएंगे। कृषि समुदाय को सहायता प्रदान करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को समझते हुए, विशेष रूप से उन किसानों को अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी जिनके पास वर्तमान में बिजली कनेक्शन नहीं है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, क्षतिग्रस्त घरों की जियोटैगिंग की जाएगी। इससे नुकसान का सटीक आकलन करने और प्रभावित लोगों तक त्वरित गति से सहायता पहुंचाने में मदद मिलेगी।

निर्बाध शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए, स्कूल क्षति की रिपोर्ट करने और उसे जियोटैग करने में सक्षम होंगे, जिससे समग्र शिक्षा अभियान के तहत समय पर सहायता मिल सकेगी। वर्षा जल के संग्रहण और भंडारण के लिए जल संचयन हेतु पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। इन प्रयासों से भूजल स्तर में सुधार होगा और बेहतर जल प्रबंधन को बल मिलेगा।

केंद्र सरकार ने नुकसान की सीमा का आकलन करने के लिए हिमाचल प्रदेश का दौरा करने के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल पहले ही भेज दिए हैं, तथा उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आपदा से प्रभावित परिवारों से भी मुलाकात की। उन्होंने इस आपदा में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना और गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस कठिन समय में राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री नरेनद्र मोदी ने बाढ़ और प्राकृतिक आपदा में मृतकों के निकटतम परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन नियमों के तहत राज्यों को अग्रिम भुगतान सहित सभी प्रकार की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने तत्काल राहत और बचाव कार्यों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, राज्य प्रशासन और अन्य सेवा-केंद्रित संगठनों के कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। केंद्र सरकार राज्य के ज्ञापन और केंद्रीय टीमों की रिपोर्ट के आधार पर मूल्यांकन की फिर से समीक्षा करेगी। प्रधानमंत्री ने स्थिति की गंभीरता को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि केन्द्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए सभी प्रयास करेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया

• **जालंधर ब्रीज .** पंजाब

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 9 सितंबर 2025 को पंजाब का दौरा किया और पंजाब के प्रभावित इलाकों में बादल फटने और भारी बारिश से आई बाढ़ की स्थिति और उससे हुए नुकसान की समीक्षा की।

प्रधानमंत्री ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद, उन्होंने गुरदासपुर में अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ एक आधिकारिक समीक्षा बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी ने राहत और पुनर्वास उपायों की समीक्षा की और पंजाब में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन भी किया।

प्रधानमंत्री ने राज्य आपदा राहत कोष में पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और पीएम किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और उसके लोगों की सहायता के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसमें पीएम आवास योजना के अंतर्गत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुनर्निर्माण, पीएमएनआरएफ के माध्यम से राहत प्रदान करना और पशुओं के लिए मिनी किट वितरित करना जैसे उपाय शामिल होंगे।

कृषि समुदाय को सहायता प्रदान करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को समझते हुए, विशेष रूप से उन किसानों को अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी जिनके पास वर्तमान में बिजली कनेक्शन नहीं हैं। जिन बोरवेल में गाद भर गई है या जो बह गए हैं, उनके नवीनीकरण के लिए राज्य सरकार के विशिष्ट प्रस्ताव के अनुसार, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत परियोजना आधार पर सहायता प्रदान की जाएगी। डीज़ल से चलने वाले बोरवेल के लिए, सौर पैनलों के लिए एमएनआरई के साथ अनुकूलन और प्रति बूंद अधिक फसल दिशानिर्देशों के अंतर्गत सूक्ष्म सिंचाई के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के अंतर्गत, ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए पात्र परिवारों को घरों के पुनर्निर्माण के लिए पंजाब सरकार द्वारा प्रस्तुत "विशेष परियोजना" के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए सरकारी स्कूलों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। राज्य सरकार को दिशानिर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक सहायक जानकारी प्रदान करनी होगी।

जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम के अंतर्गत पंजाब में जल संचयन हेतु पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाएगा। इसका उद्देश्य क्षतिग्रस्त पुनर्भरण संरचनाओं की मरम्मत और अतिरिक्त जल संचयन संरचनाओं का निर्माण करना होगा। इन प्रयासों से वर्षा जल संचयन में वृद्धि होगी और दीर्घकालिक जल स्थिरता सुनिश्चित होगी। केंद्र सरकार ने नुकसान की सीमा का आकलन करने के लिए पंजाब का दौरा करने के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल भी भेजे हैं, और उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार इस कठिन समय में राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री ने पंजाब के उन परिवारों से भी भेंट की जो आपदाओं और बाढ़ से प्रभावित हुए थे। उन्होंने उन सभी लोगों के साथ अपनी पूरी एकजुटता व्यक्त की जिन्होंने इस आपदा को झेला है और जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति गहरा दुःख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ और प्राकृतिक आपदा में मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण अनाथ हुए बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के अंतर्गत व्यापक सहायता प्रदान की जाएगी। इससे उनका दीर्घकालिक कल्याण सुनिश्चित होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यों को अग्रिम भुगतान सहित आपदा प्रबंधन नियमों के अंतर्गत सभी प्रकार की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने तत्काल राहत और प्रतिक्रिया के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, राज्य प्रशासन और अन्य सेवा प्रदाता संगठनों के कर्मियों के प्रयासों की प्रशंसा की। केंद्र सरकार राज्य के ज्ञापन और केंद्रीय टीमों की रिपोर्ट के आधार पर आकलन की आगे समीक्षा करेगी। प्रधानमंत्री ने स्थिति की गंभीरता को स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

जीएसटी की नई दरें किसानों के लिए वरदान साबित होंगी

जालंधर ब्रीज (मध्य प्रदेश) . जीएसटी की नई दरें और स्लैब से कृषि के क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर असर दिखाई देगा ।इससे विशेष कर छोटे और मंझौले किसानों को बहुत लाभ होगा, कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरें कम होने के कारण कृषि की लागत घटेगी और किसानों का मुनाफा बढ़ेगा। यह विचार केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज भोपाल में आयोजित प्रेस वार्ता में व्यक्त किये।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जैव-कीटनाशक और सूक्ष्म-पोषक तत्वों पर GST घटाई गई है, जिससे किसानों को लाभ होगा। साथ ही रासायनिक उर्वरकों से जैव उर्वरकों की तरफ किसानों की प्रवृति निश्चित रूप से बढ़ेगी। डेयरी क्षेत्र में अब दूध और पनीर पर कोई GST नहीं होगा। इससे आम आदमी को तो लाभ होगा ही, साथ ही किसानों, पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों को भी फायदा मिलेगा।

आज अनंत चतुर्दशी का महापर्व है और गणपति बप्पा को हम विदाई देंगे। उनसे यही प्रार्थना है कि सुख-समृद्धि और ऋद्धि-सिद्धि देश की जनता की ज़िंदगी में आए।

जनता की ज़िंदगी बेहतर बने। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में NDA की सरकार लगातार प्रयत्न कर रही है। सरकार की कोशिश और प्रधानमंत्री जी के प्रयत्न हैं कि आम आदमी की ज़िंदगी में कठिनाइयाँ न रहें। लाल किले की प्राचीर से उन्होंने देश को ये कहा था कि GST में नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म लाए जाएंगे और वो रिफॉर्म जनता को बड़ी राहत लेकर आएंगे। किसान और कृषि मंत्री के नाते मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देता हूँ। हमारा संकल्प है कि खेती में उत्पादन की लागत घटाना और उत्पादन बढ़ाना। उत्पादन बढ़ेगा और लागत घटेगी तो किसान का खेती में प्रॉफ़िट बढ़ेगा।

GST में जो सुधार किए गए हैं अगर उन्हें देखें तो उनका बड़ा लाभ देश के किसानों को मिलने वाला है। कुछ कंपनियों ने शुरू कर दिया है। कृषि उपकरण चाहे वो ट्रैक्टर हो, हार्वेस्टर, रोटावेटर हो, अलग-अलग तरह के जो GST घटाकर 5% की गई है वो किसान के लिए वरदान सिद्ध होगी। हमारे देश के किसानों की जोत का आकार छोटा है। इसलिए हम कोशिश कर रहे हैं इंटीग्रेटेड फार्मिंग की मतलब खेती के साथ किसान खेती से जुड़े और एलाइड सेक्टर के बाकी काम कुछ न कुछ करे।

जैसे पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, कृषि वानिकी, भेड़-बकरी पालन, पॉल्ट्री फार्म, अगर ओवरऑल आप देखेंगे तो पूरे सेक्टर में क्योंकि कृषि और पशुपालन तो एक-दूसरे के पूरक हैं। उस पर भी GST में जो छूट दी गई है वो भी हमारी खेती और किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी।

अगर इससे जुड़ा हुआ ग्रामीण क्षेत्र देखें। तो हस्तशिल्प, चमड़े का सामान, दूध उत्पाद के काम में व्यापक पैमाने पर महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप काम कर रहे हैं। जिन्होंने कई बहनों को लखपति दीदी बना दिया है। उनकी ज़िंदगी भी GST में इस छूट से और बेहतर होगी, आमदनी बढ़ेगी और लखपति दीदी के आंदोलन को भी नई ताकत मिलेगी।

अगर हम जीएसटी सुधारो को देखें तो एक उदाहरण के तौर पर कोई ट्रैक्टर अगर 9 लाख रुपए में आता था 9 लख रुपए में खरीदते थे तो अब किसान को 65 हजार रुपए की बचत उसपर होगी। अगर ट्रैक्टर 35 एचपी का है जिसकी कीमत लगभग 5 लख 80 हजार रुपए होती थी तो एक ट्रैक्टर खरीदने पर 41 हजार रुपए की बचत होगी, 45 एचपी के ट्रैक्टर पर 45 हजार रुपए बचत होगी, 50 एचपी के ट्रैक्टर पर 53 हजार रुपए बचत होगी और 75 एचपी के ट्रैक्टर पर लगभग 63 हजार रुपए बचत होगी तो ट्रैक्टर पर ही अगर बचत देखें तो 25 हजार से लेकर 63 हजार रुपए तक की बचत किसानों को होगी। डेरी क्षेत्र में अब दूध और पनीर पर कोई जीएसटी नहीं होगा इससे आम आदमी को तो लाभ होगा ही इसकी मांग भी बढ़ेगी और दूध खरीदकर डेरी उत्पाद तैयार करने वाले वो भी लाभ में रहेंगे और किसानों को भी सीधा जो दुग्ध उत्पादक, पशुपालक हैं उनको सीधा फायदा होगा। मक्खन, घी इनपर जीएसटी कम की गई है तो निश्चित तौर पर यह स्वदेशी उत्पाद ज्यादा बिकना प्रारंभ होंगे दूध के डिब्बों पर भी जीएसटी घटाई गई है उसका लाभ भी डेरी क्षेत्र को मिलेगा और अगर डेरी क्षेत्र आगे बढ़ेगा तो सीधे किसान और पशुपालक आगे बढ़ेंगे। कीटनाशक और सूक्ष्म पोषक तत्वों पर 12 जीव कीटनाशक और सूक्ष्म पोषक तत्व हैं माइक्रो न्यूट्रेंट उनपर भी जीएसटी घटाई गई है इससे प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को क्योंकि जैविक जो इनपुटस् हैं उनकी कीमत कम होगी तो उसमें लाभ होगा और रासायनिक उर्वरकों से जैव उर्वरकों की तरफ किसान के बढ़ने की प्रवृति निश्चित तौर पर बढ़ेगी।

चीन के मीम, वीडियो और टिप्पणियाँ कहती हैं कि एससीओ में मोदी अन्य सभी नेताओं से ज़्यादा छाये रहे

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बहुचर्चित चीन यात्रा अब अतीत की बात हो चुकी है। सामान्य भू-राजनीति और द्विपक्षीय संभावनाओं के विश्लेषण से आगे बढ़कर, चीन के सोशल मीडिया उपयोगकर्ता शारीरिक हावभाव, प्रतीकात्मक इशारे, छवि और स्वाभाविक रूप से मीम्स से अधिक प्रभावित दिखे। कुछ टिप्पणियों ने यात्रा के सौहार्दपूर्ण माहौल पर ज़ोर दिया, लेकिन अधिकतर हल्की-फुल्की रहीं, एक चौंकाने वाली संख्या में कई चुटकुले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर केंद्रित थे।

यदि एससीओ शिखर सम्मेलन एक कूटनीतिक मंचन था, तो मोदी निस्संदेह उसके मुख्य अभिनेता थे, यह उन्हें मिली भारी-भरकम ऑनलाइन चर्चा से स्पष्ट हुआ। "एक दूर का रिश्तेदार उतना अच्छा नहीं जितना नजदीकी पड़ोसी," ऐसा कहा लियू यिंग ने, जो चोंगयांग इंस्टीट्यूट फॉर फाइनेंशियल स्टडीज़, रेनमिन यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता हैं।

सबसे अधिक चर्चा मोदी के लिए बिछाए गए लाल कालीन पर हुई। बायदु पर एक टिप्पणी में लिखा गया: "चीन यात्रा का सबसे दिल छू लेने वाला क्षण था मोदी का भव्य स्वागत। जैसे ही वे पहुँचे, उनका जोरदार स्वागत हुआ। लाल कालीन लंबा बिछा था, सम्मान गार्ड एकदम सटीक गठन में खड़ा था, और नृत्य प्रस्तुति बेहद जीवंत थी।"

मोदी-पुतिन हाथ पकड़ना और कार यात्रा : चीन के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने मोदी के हर कदम को बारीकी से देखा, लेकिन असली वायरल क्षण तस्वीरों से आया: तियानजिन में मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का हाथ पकड़ना

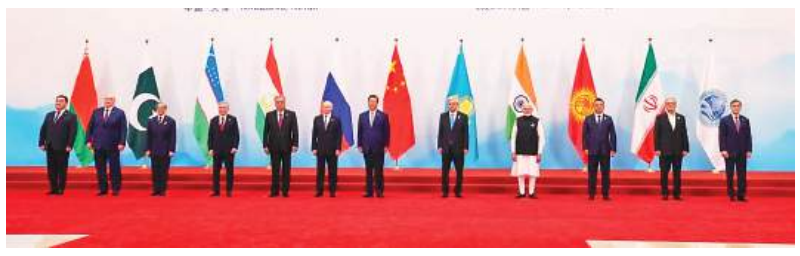

और फिर उनकी औरस सेनाट लिमोज़ीन में साथ सवारी करना। ये तस्वीरें वीचैट और वीबो जैसे मंचों पर छा गईं, जिससे "न सिर्फ वे साथ में मंच पर दाखिल हुए, बल्कि सम्मेलन कक्ष में भी लगभग अविभाज्य दिखे," एक उपयोगकर्ता ने लिखा। कई वीबो उपयोगकर्ताओं ने सोचा: "ट्रंप यह मोदी-पुतिन भाईचारा देखकर कैसा महसूस कर रहे होंगे?"

सना हाशमी
(लेखक)

यहाँ तक कि ग्लोबल टाइम्स के पूर्व प्रधान संपादक हु शीज़िन ने भी टिप्पणी की कि ट्रंप इस सार्वजनिक मित्रता प्रदर्शन से खिन्न हो सकते हैं—जिससे मीम की आग और भड़क उठी। अन्य उपयोगकर्ताओं ने संकेतों की भाषा को समझने की कोशिश की। एक वीबो पोस्ट में लिखा: "मोदी ने अपनी आधिकारिक कार छोड़कर पुतिन की रूसी बख़्तरबंद औरस सेडान में सफर किया। यह केवल यात्रा नहीं थी, बल्कि निकटता और प्रतीकों का इस्तेमाल करते हुए भारत-रूस की नज़दीकी दर्शाने वाला एक सोच-समझकर किया गया कूटनीतिक संकेत था।"

एक अन्य उपयोगकर्ता ने मज़ाक किया : "यह रूस-भारत संबंधों में एक ऐतिहासिक क्षण था, जिसने एससीओ में बहुपक्षीय सहभागिता को नई रोशनी दी।"

शारीरिक भाषा की जाँच-पड़ताल : सोशल मीडिया उपयोगकर्ता केवल हाथ पकड़ने के मजाक तक सीमित नहीं रहे। शारीरिक भाषा भी ऑनलाइन चर्चा का केंद्र बन गई। टिक-टॉक के चीनी संस्करण डॉयिन पर कई वीडियो में दिखाया गया कि चीन यात्रा के दौरान मोदी हमेशा मुस्कुराते हुए, जीवंत और सौहार्दपूर्ण दिखे। कई वीडियो ने उनके पुतिन के साथ हाथ पकड़ने को ट्रंप के क्लिप्स के साथ जोड़कर दिखाया, जिससे भारत-रूस के अटूट रिश्ते और ट्रंप की झुंझलाहट दोनों उजागर हुए। अन्य वीडियो में मोदी को आत्मविश्वास के साथ चलते हुए दिखाया गया और टिप्पणी में उन्हें "TOUGH" बताया गया तथा कहा गया कि भारत ने ट्रंप के शुल्कों का मजबूती से उत्तर दिया है।

झीहू (चीनी क्वोरा) पर एक पोस्ट में लिखा था: "जितने दोस्ताना पहले थे, अब मोदी और ट्रंप दोनों ही एक-दूसरे से नाराज़ हैं।" बिलिबिली नामक वीडियो मंच पर एक लोकप्रिय पोस्ट में लिखा गया: "मोदी ने ट्रंप की स्पॉटलाइट छीन ली है। उनकी तियानजिन यात्रा ने उन्हें खूब स्पॉटलाइट दिलाया है। अगर ट्रंप भी आते, तो शायद उन्हें भी लोकप्रियता मिल जाती, उनकी नृत्य शैली तो उन्हें प्रशंसक दिला ही देती।"

शिक्षा के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण सावित्री बाई फुले की विरासत

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . शिक्षक दिवस उन महान व्यक्तित्वों को सम्मानित करने का अवसर है, जो अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से राष्ट्र का भविष्य संवारते हैं। इस दिन हम भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले (1831-1897) को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं, जिन्होंने हमारे देश में महिला शिक्षा की नींव रखने के लिए पुराने सामाजिक पूर्वाग्रहों को साहसपूर्वक चुनौती दी थी।

ऐसे दौर में जब महिलाओं की शिक्षा को नापसंद किया जाता था और अक्सर हिंसक तरीके से इसका विरोध किया जाता था, सावित्रीबाई फुले ने अपने पति महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए स्कूल खोले। उन्होंने केवल पढ़ाया ही नहीं, बल्कि पाठ्यक्रम भी तैयार किए और महिलाओं को ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित करने हेतु कविताएँ भी लिखीं। उनका जीवन साहस का प्रमाण था—वह रोज़ाना एक अतिरिक्त साड़ी के साथ स्कूल जाती थीं, क्योंकि रूढ़िवादी पुरुष उन पर कीचड़ और पत्थर फेंकते थे। फिर भी वह डटी रहीं, क्योंकि वह जानती थीं कि भारत का भविष्य उसकी बेटियों की शिक्षा में निहित है।

सावित्री ठाकुर
(महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री भारत सरकार)

सुधारकों की विरासत और समानता का आह्वान : सावित्रीबाई फुले अपने संघर्ष में अकेली नहीं थीं। भारत के समाज सुधार की यात्रा को राजा राम मोहन राय जैसे महान व्यक्तित्वों ने दिशा दी, जिन्होंने सती प्रथा, बाल विवाह के खिलाफ आवाज़ उठाई और महिला शिक्षा का समर्थन किया। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह और बालिका शिक्षा की वकालत की। आगे चलकर महात्मा गांधी ने भी इस बात पर ज़ोर दिया कि 'महिलाओं की शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम है।' इन सभी सुधारकों का मानना था कि जब तक महिलाएँ शिक्षा से सशक्त नहीं होंगी, भारत को सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता नहीं मिल सकती।

यह विरासत आज भी आधुनिक भारत की आकांक्षाओं को दिशा दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अक्सर इस बात पर ज़ोर दिया है कि भारत की विकास यात्रा महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास से आगे बढ़ेगी। 'विकसित भारत@2047' का विज़न भी इसी सोच पर आधारित है, जिसमें महिलाओं को राष्ट्र निर्माण का समान भागीदार बनाया गया है, और इस सशक्तिकरण की नींव शिक्षा है।

महिलाएँ और शिक्षा : अब तक की प्रगति : स्वतंत्रता के बाद से इस दिशा में हुई प्रगति उल्लेखनीय रही है। महिला साक्षरता, जो 1951 में मुश्किल से 8.86 प्रतिशत थी, आज बढ़कर 65.46 प्रतिशत (2011 की जनगणना के अनुसार) हो चुकी है और हाल के सर्वेक्षणों से स्कूलों में लड़कियों के बढ़ते नामांकन यह इंगित करते हैं कि इसमें लगातार सुधार हो रहा है।एकीकृत जिला शिक्षा सूचनाप्रणाली (यूडीआईएसई+) 2021-22 के अनुसार, प्राथमिक स्तर पर लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) अब लड़कों की तुलना में अधिक है।

मोदी सरकार ने 2015 में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू की, जिसने समाज की सोच बदली, बाल लिंगानुपात में सुधार किया और स्कूली शिक्षा के हर स्तर पर लड़कियों के नामांकन को बढ़ाया। पोषण अभियान, मिशन शक्ति और सामर्थ्य जैसी पहल मिलकर ऐसा ढांचा तैयार करती हैं, जिसमें शिक्षा को पोषण, सुरक्षा और अवसर का सहारा मिलता है। यूडीआईएसई+ 2024-25 के आँकड़े बताते हैं कि पहली बार भारत में महिला शिक्षकों की संख्या कुल स्कूली शिक्षकों का 54.2 प्रतिशत हो गई है, जो 2014-15 के 46.9 प्रतिशत से कहीं अधिक है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का नाम बदलकर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान कर दिया है।यह संस्थान महिलाओं और बच्चों से संबंधित कार्यक्रमों को मज़बूत बनाने के लिए क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह सुनिश्चित करता है कि नीतियाँ ज़मीनी स्तर पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित हों। सावित्रीबाई फुले के नाम के साथ, यह संस्थान शिक्षा और सुधार के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के उनके विजन के प्रति जीवंत श्रद्धांजलि है।

फिर भी कुछ चुनौतियाँ बनी हुई हैं। कम उम्र में विवाह, सुरक्षा की चिंता और आर्थिक कारणों से कई लड़कियाँ माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ देती हैं। सरकार इन चुनौतियों को दूर करने के लिए छात्रवृत्ति, आवासीय सुविधा, मासिक धर्म स्वच्छता पहल और डिजिटल शिक्षा के अवसर उपलब्ध करा रही है, ताकि हर लड़की बिना रुकावट अपनी पढ़ाई पूरी कर सके।

सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य युद्ध स्तर पर जारी

बीमारियों की रोकथाम हेतु झोंकी सरकारी मशीनरी, मलेरिया व अन्य बीमारियों के खतरे को देखते हुए फॉगिंग मशीनें प्रभावित इलाकों में भेजी गईं

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य, वेटरनरी व अन्य विभागों की पूरी टीम दिन-रात जुटी हुई है। पंजाब के शिक्षा एवं सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि डिप्टी कमिश्नर रूपनगर वरजीत वालिया के साथ बैठक करके बाढ़ के दौरान हुए नुकसान व खराबी की समीक्षा की गई और विशेष गिरदावरी का कार्य 50 प्रतिशत पूरा करवा लिया गया। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य भी लगातार चल रहे हैं। बैंस ने बताया कि मलेरिया व अन्य बीमारियों के खतरे को देखते हुए फॉगिंग मशीनें इलाके में भेजी जा रही हैं। बड़े गांवों में ये मशीनें लगातार चलाई जाएंगी तथा मेडिकल कैंप भी लगातार जारी रहेंगे। वेटरनरी टीमें लगातार हलके में पशुओं का इलाज व वैक्सीनेशन कर रही हैं। बैंस ने बताया कि सभी गांवों के रास्ते खोल दिए गए हैं ताकि आवागमन प्रभावित न हो। प्रशासन पूरी तरह चौकस है तथा राहत व बचाव कार्यों के लिए टीमें भी तैनात की गई हैं।

इसके अलावा पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने विधायक गुरदीप सिंह रंधावा के साथ जिला गुरदासपुर के बाढ़ प्रभावित गांव डेहरीवाल किरन, रणसीके तिल्ला, खुशहालपुर, रत्ता और शाहपुर जाजन का दौरा किया। इस मौके पर डॉ. बलबीर सिंह ने अपनी नेक कमाई से और अपने साथियों के सहयोग से बाढ़ प्रभावित परिवारों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। वहीं सामाजिक सुरक्षा मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने मलोट में बारिश के कारण जिन घरों की छतें गिर गई थीं, उनके घरमालिकों को मौके पर ही खुद पैसे देकर वित्तीय सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि वे लगातार मलोट शहर के वार्डों और गांवों में ही हैं और लोगों की समस्या जान रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री पंजाब लालजीत सिंह भुल्लर विधानसभा हलका पट्टी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दरियाई पानी की मार के अंतर्गत आए विभिन्न गांवों के लोगों को जरूरी राहत सामग्री, आवश्यक वस्तुएं व पशुओं के लिए चारा, फीड व चोकर आदि वितरित की। इस दौरान वे गांव भाउवाल में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए खोले गए अर्ज़ी राहत कैंप में भी पहुंचे। कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक ने हलका भोआ के गांव सिहोड़ा में बाढ़ प्रभावित लोगों को बुनियादी आवश्यकताओं का सामान वितरित किया। प्रत्येक परिवार को दो फोल्डिंग बिस्तर, दो गद्दे, एक गैस सिलेंडर व एक-एक मच्छरदानी वितरित की गई। इस दौरान जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल द्वारा मकरौड साहिब और मुनक में टोहाना पुल पर घग्गर का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि कई दिनों के इंतजार के बाद अब पानी का स्तर कम होना शुरू हो गया है, जोकि सभी के लिए राहत की बात है।

मोहाली जिले के डेराबस्सी हलके के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने श्री राम तलाई, डेराबस्सी में लगभग 150 प्रभावित व जरूरतमंद परिवारों में राहत सामग्री वितरित की। फाजिल्का के विधायक नरेंद्र पाल सिंह सवना ने गांव महात्म नगर में बाढ़ प्रभावित लोगों का हालचाल जाना और राहत सामग्री वितरित की। वहीं फाजिल्का की डिप्टी कमिश्नर अमरप्रीत कौर संधू ने भी प्रभावित लोगों को 15070 राशन किटें वितरित कीं और पशु पालकों के जानवरों के लिए 6236 पैकेट कैटल फीड वितरित किए।

अस्थायी गेस्ट फैकल्टी इंस्ट्रक्टरों की भर्ती के लिए आवेदनों की मांग

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

इंस्टीट्यूट मैनेजमेंट कमेटी, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.) आदमपुर द्वारा सेशन 2025-26 के लिए विभिन्न ट्रेडों में अस्थाई गेस्ट फैकल्टी इंस्ट्रक्टरों की भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए है।

आई.एम.सी. के सदस्य सचिव पुष्पिंदर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान में आर.ए.सी., मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल, टर्नर, प्लंबर, मैकेनिक डीजल, मशीनिस्ट, और सिलाई टेक्नोलॉजी ट्रेडों के लिए अस्थायी गेस्ट फैकल्टी इंस्ट्रक्टरों की भर्ती की जा रही है। चयनित उम्मीदवारों को प्रति माह लगभग 15,000 रुपये का भत्ता दिया जाएगा।

योग्यता और अनुभव के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ ट्रेनिंग की वेबसाइट https://dgt.gov.in/cts_datails से प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र व्यक्तिगत रूप से, रजिस्टर्ड डाक, या ई-मेल (itiadampur@punjab.gov.in) के माध्यम से 25 सितंबर 2025 को शाम 4 बजे तक भेज सकते हैं। इंटरव्यू 29 सितंबर 2025 को सुबह 11 बजे संस्थान में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार अपने शैक्षिक योग्यता और अनुभव के मूल सर्टिफिकेट साथ लें कर आए।

पिड़ाई सीजन के लिए गन्ने की अदायगी हेतु 679.37 करोड़ जारी : हरपाल चीमा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के किसान भाईचारे की वित्तीय भलाई की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहाँ घोषणा की कि सूबा सरकार, जिसने देश भर में सबसे अधिक 401 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने की खरीद दर की पेशकश की, की तरफ से वर्ष 2024-25 के पिडाई सीजन के लिए गन्ने की अदायगी हेतु 679.37 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

यहाँ जारी एक प्रेस बयान में, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि सूबे की 9 सहकारी मिलों को गन्ना मिलों, जिन्होंने सीजन के दौरान कुल 194.66 लाख क्विंटल गन्ने की पिडाई की, को गन्ना सप्लाई करने वाले राज्य भर के 18,771 किसानों को इस अदायगी का लाभ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि 401 रुपये प्रति क्विंटल की अदायगी दर के हिसाब से किसानों का कुल बकाया 779.86 करोड़ रुपये था और बाकी बचते 100.49 करोड़ रुपये की अदायगी भी इस संबंधी केंद्रीय सहायता प्राप्त होने पर जल्दी ही कर दी जाएगी।

वित्त मंत्री ने इस संबंधी और जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 87 प्रतिशत से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 9 सहकारी खंड मिलों में से अजनाला के लिए 10 मार्च तक, बटाला के लिए 18 मार्च, भोगपुर के लिए 27 मार्च, बुढेवाल के लिए 13 मार्च, फाजिल्का के लिए 1 मार्च, गुरदासपुर के लिए 25 मार्च, मोरिंडा के लिए 30 मार्च, नवांशहर के लिए 31 मार्च और नकोदर के लिए 22 फरवरी तक गन्ने की खरीद के बकाए क्लियर कर दिए गए हैं। वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि पंजाब सरकार किसानों को उनकी उपज का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एसडीआरएफ डेटा सार्वजनिक कर 'आप' सरकार ने भाजपा के झूठ का किया पर्दाफाश

आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब ने आज राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) को लेकर भाजपा नेताओं द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार का जोरदार खंडन किया और पंजाब के लोगों के सामने वास्तविक आधिकारिक आंकड़े जारी किए। एक बयान में, पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आपदा राहत कोष पर जानबूझकर जनता को गुमराह करने के लिए भाजपा की निंदा की। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता आप सरकार को बदनाम करने के लिए बेशर्मी से झूठ फैला रहे हैं। सच्चाई अब लोगों के सामने है और एसडीआरएफ से प्राप्त और खर्च किया गया हर एक रुपया सार्वजनिक डोमेन में है। भाजपा के विपरीत, जो धोखे और ध्यान भटकाने पर फलती-फूलती है, हम पारदर्शिता और जवाबदेही में विश्वास करते हैं। चीमा ने 1 अप्रैल, 2022 से पंजाब सरकार द्वारा भारत सरकार से एसडीआरएफ के तहत प्राप्त धन और राज्य द्वारा खर्च की गई राशि का पूरा ब्यौरा प्रस्तुत किया: 2022-23: 208 करोड़ प्राप्त हुए, 61 करोड़ खर्च हुए। 2023-24: 645 करोड़ प्राप्त हुए, 420 करोड़ खर्च हुए। 2024-25: 488 करोड़ प्राप्त हुए, 27 करोड़ खर्च हुए। 2025-26: 241 करोड़ प्राप्त हुए, 140 करोड़ खर्च हुए।

पंजाब के एनसीसी कैडेट्स ने रचा इतिहास

लगातार दूसरी बार जीती राष्ट्रीय चैंपियनशिप, शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने दी बधाई

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब डायरेक्टोरेट एनसीसी के कैडेट्स ने लगातार दूसरे वर्ष (2024 और 2025) गौरवमयी ऑल इंडिया थल सैनिक कैंप (एआईटीएससी) सीनियर डिवीजन चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया है।

इस शानदार उपलब्धि के लिए कैडेट्स को बधाई देते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि लगातार दूसरी जीत हमारे एन.सी.सी. कैडेट्स के अडिग इरादे, दृढ़ता और अनुशासन का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि इन कैडेट्स (पीएचएचपी एंड सी) ने महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े संस्थानों समेत 16 से अधिक डायरेक्टरेट्स पर जीत दर्ज करके नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया है।

शिक्षा मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि यह जीत केवल प्रतियोगिताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि इन कैडेट्स ने समाज के लिए कठिन समय में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बेहतरीन सेवा देने से लेकर पंजाब में हाल ही में आए भीषण बाढ़ के दौरान बचाव और राहत कार्यों में सिविल अधिकारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना शामिल है। उन्होंने कहा कि मैदान में चैंपियन और समाज के रक्षक के रूप में इन कैडेट्स की भूमिका एन.सी.सी. के मुख्य सिद्धांत और डायरेक्टोरेट के मोटो "अनुशासन और सेवा सबसे ऊपर" को पूरी तरह से प्रदर्शित करती है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि इन कैडेट्स की सफलता पंजाब डायरेक्टोरेट को राष्ट्रीय स्तर पर मिलिट्री अनुशासन और नेतृत्व का मार्गदर्शक बनाती है। उन्होंने यह भी कहा कि जीतों का सिलसिला यहीं समाप्त नहीं होता, बल्कि यह एक नए युग की शुरुआत है और पंजाब पूरे देश के लिए उत्कृष्टता की मिसाल बनेगा।

बैंस ने कैडेट्स को सुनहरा भविष्य हासिल करने की शुभकामनाएं दीं और इस शानदार उपलब्धि के लिए उनके इंस्ट्रक्टरों और सम्पूर्ण एन.सी.सी. फैमिली के प्रयासों की प्रशंसा की।

कमिश्नरेट पुलिस द्वारा हेरोइन, अवैध शराब और नशीली गोलियों सहित 7 गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब सरकार की 'युद्ध नशे के विरुद्ध' मुहिम के तहत जलंधर कमिश्नरेट पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को 150 ग्राम हेरोइन, 20,250 मिलीलीटर अवैध शराब और 31 नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार किया।

पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पंजाब सरकार की नशा विरोधी मुहिम के तहत शहर में कई स्थानों पर छापेमारी की गई, जिसके दौरान 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनके खिलाफ विभिन्न थानों में 6 मामले दर्ज किए गए हैं। गिरफ्तारी के दौरान इन व्यक्तियों से 150 ग्राम हेरोइन, 20,250 मिलीलीटर शराब और 31 नशीली गोलियां बरामद की गईं। उन्होंने आगे बताया कि नशे की सप्लाई को रोकने के साथ-साथ नशे की दलदल में फंसे 6 व्यक्तियों के पुनर्वास को ध्यान में रखते हुए उन्हें नशा छुड़ाने वाले केंद्रों में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि ऐसी कार्रवाइयां ड्रग माफिया के लिए एक सख्त संदेश हैं कि नशे के नेटवर्क से जुड़े व्यक्तियों की जांच कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाइयां भविष्य में भी जारी रहेंगी, ताकि पंजाब से नशे को जड़ से खत्म किया जा सके।

भाजपा द्वारा आज बाढ़ पीड़ितों के लिए राशन सामग्री रवाना की जाएगी

जालंधर (जालंधर ब्रीज). भाजपा शासित राज्यों गुजरात, हरियाणा, दिल्ली की सरकारों द्वारा पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए 600 ट्रैकों में भरकर भेजी गई राहत सामग्री 12 सितंबर दिन शुक्रवार को सुबह 11:30 रवाना की जाएगी। यह जानकारी भाजपा जिला जालंधर के अध्यक्ष सुशील शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि भाजपा शासित राज्यों की सरकारों द्वारा जो पूरे प्रदेश के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजी गई है, वह आज भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा एवं केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा रवाना की जाएगी। यह राहत सामग्री स्वामी ट्रांसपोर्ट के सामने बैकसाइड दरगाह बाबा रुलिया शाह नहर के साथ वाली रोड न्यू इंडस्ट्रियल एरिया में बने राहत वितरण सामग्री केंद्र से रवाना की जाएगी।

पटाखा मार्केट के लिए जगह अलाट कर प्रशासन व्यापारियों को दे राहत

जालंधर (जालंधर ब्रीज). दिवाली को अब कुछ ही दिन बचे हैं जबकि पिछले 18 सालों से बर्लटन पार्क में पटाखा मार्केट लग रही थी इस बार बर्लटन पार्क को स्पोर्ट्स हब में विकसित किया जा रहा है जिसके कारण इस बार पटाखा मार्केट के लिए वहां जगह नहीं बची। जालंधर शहर के पटाखा विक्रेताओं ने प्रशासन से मांग की है कि वह जल्द से जल्द पटाखा बेचने के लिए जगह चिन्हित कर व्यापारियों को राहत प्रदान करें ताकि वह अपना काम सुचारू रूप से चला सकें। वीर बजरंगबली फायरवर्क्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि महाजन, महासचिव राजेश जैन एवं अमित भाटिया ने बताया कि दिवाली का त्योहार हमारे देश में मनाया जाने वाला सबसे बड़ा त्यौहार है। इसे देश के हर वर्ग के लोग बड़े उत्साह से मनाते हैं और दिवाली की तैयारी के मध्य नजर हम सभी पटाखा विक्रेताओं को त्योहार की तैयारी के लिए दो-तीन महीने का समय लग जाता है। इसलिए हम सभी व्यापारियों की प्रशासन से गुहार है कि हमें जल्द से जल्द मार्केट के लिए जगह चिन्हित कर बताया जाए ताकि हम अपने व्यापार को सुचारू रूप से संचालित कर सके।

पिम्स ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए शुरू किया 'प्रोजेक्ट सेवा अभियान'

जालंधर (जालंधर ब्रीज). पंजाब इंस्टीचयूट ऑफ मैडिकल साइंसेज़ (पिम्स) ने बाढ़ राहत हेतु "प्रोजेक्ट सेवा" अभियान की शुरुआत की। लगभग एक सप्ताह से,पिम्स बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मैडिकल दल, आवश्यक दवाइयां और स्वास्थ्य जांच कैम्प लगा रहा है। प्रोजेक्ट सेवा अभियान का उद्देश्य बाढ़ प्रभावित लोगों को मैडिकल सहायता, निवारक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है जिन्होंने इस बाढ़ में अपना सब कुछ खो दिया है।

पिम्स प्रबंधन ने इस संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि"समाज की सेवा करने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रोजेक्ट सेवा इस संकट की घड़ी में पंजाब के लोगों के साथ खड़े होने का प्रयास है। हमारे डॉक्टर, नर्स और स्वयंसेवक यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। कि इस संकट के दौरान कोई भी परिवार बिना देखभाल के न रहे।"

प्रोजेक्ट सेवा के तहत राहत अभियान में सबसे अधिक प्रभावित गांवों में निःशुल्क मैडिकल कैम्प, आवश्यक दवाओं और प्राथमिक मैडिकल किट को बांटना, पानी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम पर जागरूकता सेशन, और विशेष देखभाल की आवश्यकता वाले बच्चों और बुजुर्गों के लिए सहायता शामिल है। जिला प्रशासन के और अन्य कई व्यक्तियों ने इस पहल में पिम्स को सहयोग दिया है।संस्थान ने इस मदद के समय में और अधिक संगठनों, को आगे आने की अपील की।

ईपीएफ पेंशनरों से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने का अनुरोध

जालंधर (जालंधर ब्रीज). कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय, जालंधर के रीजनल कमिश्नर पंकज कुमार ने बताया इस कार्यालय के अधीन आने वाले चारो जिलो जालंधर, कपूरथला, नवांशहर और होशियारपुर के सभी पेंशनरो से अनुरोध किया जाता है कि जिन पेंशनरो ने अब तक अपना आधार से संबंधित डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा नहीं कराया है, वे जल्द से जल्द अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र क्षेत्रीय कार्यालय, जालंधर, जिला कार्यालय फगवाड़ा एवं जिला कार्यालय होशियारपुर या अपने बैंक अथवा अपने नजदीकी सुविधा सेंटर या कॉमन सर्विस सेंटर में जमा कराये, अन्यथा उनकी पेंशन बंद हो जाएगी। आधार से संबंधित डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाने के लिये पेंशनरों को अपना बैंक खाता, आधार कार्ड, पीपीओ संख्या और मोबाइल फोन साथ लेकर जाए।

वर्ल्ड कप के लिए सभी 8 टीमों का स्क्वॉड घोषित

स्पोर्ट्स डेस्क. आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप के लिए सभी आठ टीमों ने अपने-अपने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट का 13वां सीजन 30 सितंबर से 2 नवंबर 2025 तक भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा। भारत इस टूरनामेंट के लिए टीम घोषित करने वाली पहली टीम बनी। वहीं टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ सात ग्रुप-स्टेज मैच खेलेगी, जिसमें टॉप चार टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी। हाइब्रिड मॉडल लागू होने के कारण पाकिस्तान टीम अपने सभी मैच श्रीलंका के साथ खेलेगी। अगर पाकिस्तान सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करती है तो 29 अक्तूबर को ये मैच कोलंबो में खेला जाएगा। और अगर ऐसा नहीं होता है तो गुवाहाटी में पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला मुंबई में 30 अक्तूबर को खेला जाएगा।

जबकि फाइनल मुकाबला कोलंबो या नवी मुंबई में खेला जाएगा। पाकिस्तान की जीत और हार पर वेन्यू का चयन होगा।

सभी 8 देशो के फुल स्क्वॉड

भारतीय महिला टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़।

रिजर्व खिलाड़ी- तेजल हसब्निस, प्रेमा रावत, प्रिया मिश्रा, मिन्नू मणि, सयाली सतघरे।

पाकिस्तान महिला टीम- फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली सिद्दीकी (उप-कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज, सैयदा अरूब शाह।

बांग्लादेश महिला टीम- निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर, फरगना हक, रुब्या हैदर जेलिक, शर्मिन अख्तर सुप्ता, शोभना मोस्तरी, रितु मोनी, शोर्ना अख्तर, फाहिमा खातून, राबेया खान, मारुफा अख्तर, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, शंजीदा अख्तर माघला, निशिता अख्तर निशि, सुमैया अख्तर।

इंग्लैंड महिला टीम- नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

न्यूजीलैंड महिला टीम- सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशायर, इज़ी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पोली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोज़मेरी मैयर, जॉर्जिया प्लिमर, ली ताहुहु।

दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम- लॉरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मारिज़ैन कप्प, ताज़मिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कारबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगसे।

श्रीलंका महिला टीम- चमारी अथापथु (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरथने, हर्षिता समरविक्रमा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी, इमेशा दुलानी, देवमी विहंगा, पियमी वाथसाला, इनोका राणावीरा, सुगंधिका कुमारी, उदेशिका प्रबोदानी, मल्की मदारा, अचिनी कुलसुरिया।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम- एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.